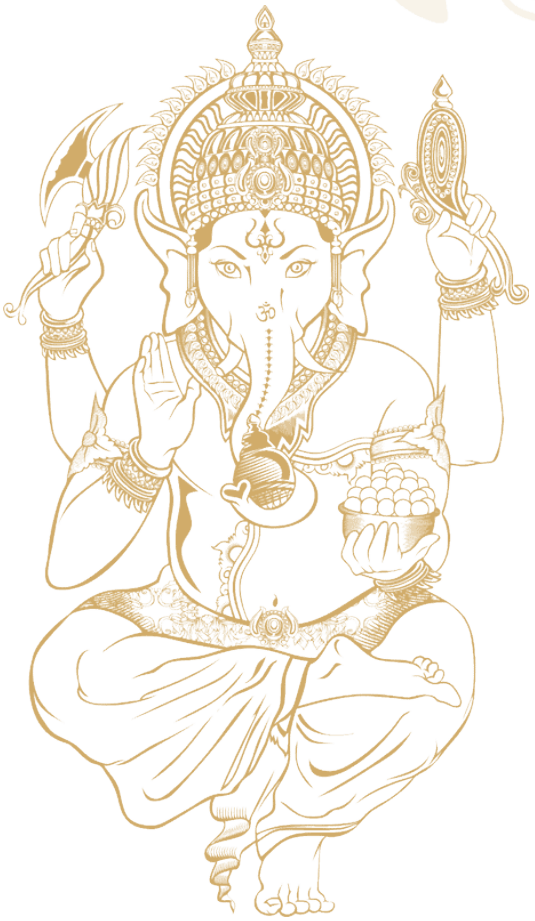

X

10 Jul 2000

09:30 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121374608

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/07/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	11:01:28 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:05:22 घंटे
साम्पातिक काल	04:54:22 घंटे
सूर्योदय	05:05:24 घंटे
सूर्यास्त	18:43:28 घंटे
दिनमान	13:38:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	24:20:55 मिथुन
लग्न के अंश	21:21:28 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:21:28	323:55:22	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	24:20:55	00:57:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	सम राशि
चंद्र			तुला	13:35:05	12:30:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मिथु	21:51:13	00:39:29	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मिथु	18:40:49	00:31:35	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	स्वराशि
गुरु			वृष	08:08:28	00:11:49	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:14:42	01:13:46	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			वृष	03:42:53	00:05:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	00:47:27	00:00:47	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	00:47:27	00:00:47	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	26:10:37	00:01:55	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप	व		मक	11:47:29	00:01:32	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:44:01	00:01:11	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	21:01:00	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:37

लग्न-चलित

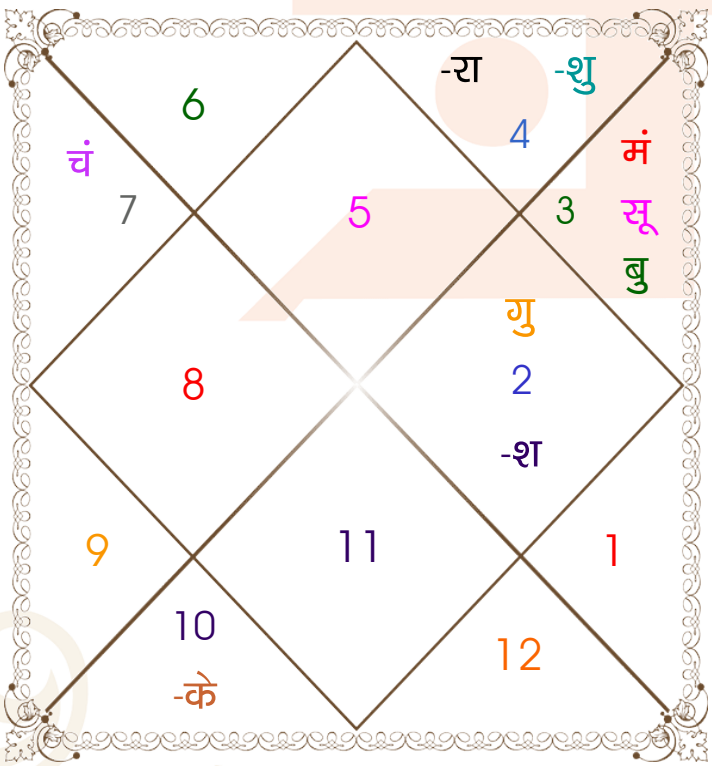

चन्द्र कुंडली

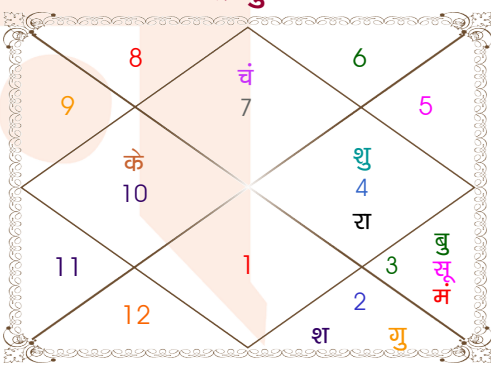

नवमांश कुंडली

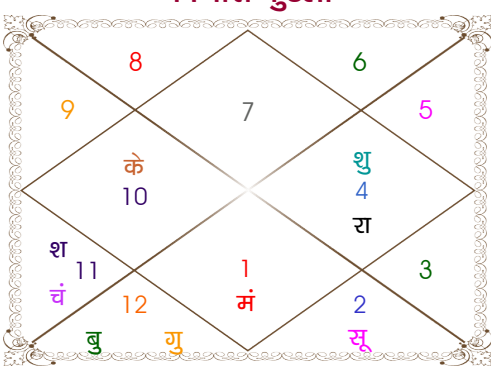

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 7 मास 28 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/07/2000		08/03/2009		08/03/2025		08/03/2044		08/03/2061	
08/03/2009		08/03/2025		08/03/2044		08/03/2061		08/03/2068	
	00/00/0000	गुरु	26/04/2011	शनि	11/03/2028	बुध	05/08/2046	केतु	04/08/2061
	00/00/0000	शनि	07/11/2013	बुध	19/11/2030	केतु	02/08/2047	शुक्र	05/10/2062
	10/07/2000	बुध	13/02/2016	केतु	29/12/2031	शुक्र	02/06/2050	सूर्य	09/02/2063
बुध	07/09/2001	केतु	19/01/2017	शुक्र	28/02/2035	सूर्य	08/04/2051	चंद्र	10/09/2063
केतु	25/09/2002	शुक्र	20/09/2019	सूर्य	10/02/2036	चंद्र	07/09/2052	मंगल	07/02/2064
शुक्र	25/09/2005	सूर्य	08/07/2020	चंद्र	10/09/2037	मंगल	04/09/2053	राहु	24/02/2065
सूर्य	20/08/2006	चंद्र	07/11/2021	मंगल	20/10/2038	राहु	23/03/2056	गुरु	31/01/2066
चंद्र	19/02/2008	मंगल	14/10/2022	राहु	26/08/2041	गुरु	29/06/2058	शनि	12/03/2067
मंगल	08/03/2009	राहु	08/03/2025	गुरु	08/03/2044	शनि	08/03/2061	बुध	08/03/2068

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/03/2068		08/03/2088		09/03/2094		09/03/2104		10/03/2111	
08/03/2088		09/03/2094		09/03/2104		10/03/2111		00/00/0000	
शुक्र	09/07/2071	सूर्य	26/06/2088	चंद्र	07/01/2095	मंगल	05/08/2104	राहु	20/11/2113
सूर्य	08/07/2072	चंद्र	25/12/2088	मंगल	08/08/2095	राहु	24/08/2105	गुरु	15/04/2116
चंद्र	09/03/2074	मंगल	02/05/2089	राहु	06/02/2097	गुरु	31/07/2106	शनि	19/02/2119
मंगल	09/05/2075	राहु	27/03/2090	गुरु	08/06/2098	शनि	08/09/2107	बुध	11/07/2120
राहु	08/05/2078	गुरु	13/01/2091	शनि	07/01/2100	बुध	05/09/2108		00/00/0000
गुरु	06/01/2081	शनि	26/12/2091	बुध	09/06/2101	केतु	01/02/2109		00/00/0000
शनि	08/03/2084	बुध	31/10/2092	केतु	08/01/2102	शुक्र	03/04/2110		00/00/0000
बुध	07/01/2087	केतु	08/03/2093	शुक्र	08/09/2103	सूर्य	09/08/2110		00/00/0000
केतु	08/03/2088	शुक्र	09/03/2094	सूर्य	09/03/2104	चंद्र	10/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 8 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगी।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाली हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करती हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगी। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगी तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगी तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगी। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगी। आपको एक स्थान से अन्य भीड़ भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करती हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

अपने समझदार पति एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पति एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपने जीवन संगी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगी। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य पुरुष को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपने पति को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहती हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगी। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो आपको अपनी वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगी तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगी। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति की महिला हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखती तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगी। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सकी तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकती हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।